

P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI

Internal Examination

B.A. Semester - II

[Mark : 40

14-3-2017]

Sanskrit : CC-201

[8-30 to 10-15

(1) महाभारत-सभापर्व - अध्याय 57 थी 63 (2) व्याकरण

1. नीचेनामांथी गमे ते त्रध श्लोकोनो अनुवाए करी ससंदर्भ समजवो. 14

- (1) आशीविषान्नेत्रविषान्कोपयेन् ते पण्डितः ।
एवं तेडहं वदामीदं प्रयतः कुरुनन्दन ॥
- (2) श्यामो युवा लोहिताक्षः सिंहस्कन्धां महाभूजः ।
नकुलो ग्लह एको मे यच्चैतत्स्वगतं धनम् ॥
- (3) नारुंतुद स्यान्न नृशंसवादी न हीनतः परमभ्याददीत ।
यस्यास्य वाचा पर उद्विजेत न तां वदिद्वुशर्ती पापलोक्याम् ॥
- (4) एवम् नूनं व्यदधात्संविधाता स्पर्शानुभौ स्पृशतो धीरबालौ ।
धर्म त्वेकं परमं ब्रूहि लोके स नः शमं धास्यति गोप्यमानः ॥
- (5) एको भर्ता स्त्रिया देवैर्विहितः कुरुनन्दन ।
इयं त्वनेकवशगा बन्धकीति विनिश्चिता ॥

2. महाभारतनुं काव्य स्वरूप यर्थो.

अथवा

14

2. टूंकनोंध लजो. (गमे ते जे)

- (1) महाभारतनी शैली (2) द्रौपदीवस्त्राडरश प्रसंग
- (3) लीमनो पुण्य प्रकोप अने प्रतिज्ञा (4) सुधन्वा उपाध्यान

3. नीचेनामांथी कोर्धपरा छ प्रश्नोना जे-त्रध वाक्योमां जवाज आपो. 12

- (1) महाभारतना संस्करणो केटला छे ? क्या क्या ?
- (2) जुगार माटे विकर्षना वियारो स्पष्ट करो.
- (3) प्रातिकामीने द्रौपदीअे शो जवाज आप्यो ?
- (4) विकर्षनी दृष्टिअे उत्तमपुरुषोअे राजाओना केटला व्यसनो गणाय्या छे ?
क्या क्या ?
- (5) द्रौपदीअे बीजा वरदानमां धृतराष्ट्र पासे शुं माग्युं ?
- (6) कथयामि रूप ओणजावो.
- (7) अचोरयम् रूप ओणजावो.
- (8) मुच् धातुनुं वर्तमानकाण त्री.पु.अे.व. अने बहुवचननुं रूप लजो.